



-10-08

संजय कुमार महाराज
 अधिवक्ता
 29.9.08

04AA 000224/08



भारतीय गैर न्यायिक
 46 Epro
 23 I A with the permission
 L.R.D. C. Simdega
 vide case No 172
 dt. 23.8.08

08-09 order
 dt. 23.8.08

M.B.M.
 3.10.08

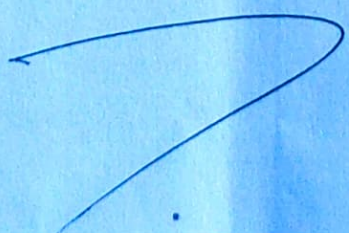
Vijay Kando
 29.09.08

§ 1. लेख्यकारी:- श्री प्रमोद विजय किन्डो पिता स्व० सडमोन किन्डो, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम-गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

..... बिदेता ।

सामंथ-पत्र संख्या:- 709/2008

सुदेश केसरा पिता- स्व. मंगल केसरी पिताकोडे Vijay Kando
 ग्राम- ठाकुर टोली
 थाना- जिला- सिमडेगा
 29.09.08





--2--

॥2॥ लेख्यधारी:- श्री नकुल साय मांडी पिता स्व० जोगेन्द्र साय मांडी, जाति-गोंड, पेशा-नौकरी एवं खेतीबारी, निवास ग्राम-गोतरा ठाकुरटोली, थाना-सिमडेगा, जिला-सिमडेगा।
.. भारतीय नागरिक .. व्रता।

समथ-पत्र संख्या:- 710 / 2008

॥3॥ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है।

॥4॥ मूल्य:- मौबलिा दो लाख छप्पन हजार रुपये अंकि 2, 56, 000/- रुपये होता है।

॥5॥ सम्पति:- एराजिवात अन्दर मौजा गोतरा ठाकुरटोली, थाना-सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वी जिला-सिमडेगा के खाता नं० 120 एक सौ बीस एक प्लॉट नं० 3436 चौत्तीस सौ छतीस एकबा 0.14 1/2 एकड़ साठे चौदह डिसमिल आवासीय जमीन।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- अगोक केरकेट्टा का हाता इसी प्लॉट का अंश।

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता,

पूरब:- अनस्तासिया केरकेट्टा का मकान हाता।

पश्चिम:- मीलान शीट नं० 3 टांड।

मालगुजारी 5 पैसा पाँच पैसा अलावे सेस सलाना।

Pranab Vijay Kando

29.09.08

रामेन्द्र बेसरा विना. सहस्र बेसरा

ग्राम - ठाकुरटोली

थापा न जिला - सिमडेगा

29.09.08



--3--

§1§ चूँकि मुझ लेख्यकारी को मकान निर्माण एवं अन्य दीगर धरलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैरे सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी को उनके उत्तराधिकारियों के हाथ तदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे परदादा बलकु उराँव के नाम से नाप दर्ज है । उक्त जमीन उत्तराधिकारी के हैसियत से आपसी मौखिक भैयादी बँटवारे के हैसियत से मुझे प्राप्त है । जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगडा झंझट नहीं है ।

Prasad Vijay Kindo
29.09.08



-3-

§4§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया। जिसका वाद संख्या 172/2008-09 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 23.8.08 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं० 1000 दिनांक 26.8.2008-09 है।

§5§ अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काविज को दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें।

§6§ इसलिए यह विग्रह पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे।

Pranab Vijay Rindo
29.09.08



-5-

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

Pramod Vijay Kando
29.09.08



Pramod Vijay Kando
29.09.08

प्रमाणित किया जाता है कि विक्रीत जमीन के बांय हाथ का पांचा अंगुलिया का हाप मेरे समक्ष लिखा गया।

संजय कुमार महता
अधिकृत
29.9.08

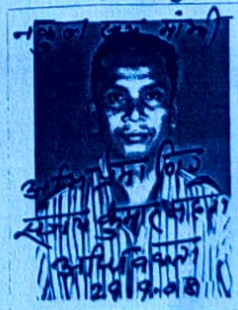
मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

Neelul Sui mandli
29-09-08



प्रमाणित किया जाता है किलोकार्पादी के बांय हाथ का पांचा अंगुलिया का हाप मेरे समक्ष लिखा गया।

संजय कुमार महता
अधिकृत
29.9.08





--6--

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विग्रह पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- ^०संजय कुमार मल्ला
अधिकारी

प्रारूपकर्ता 29.9.08
तारीख:-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विग्रह पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 586 शब्द टंकित हैं जो छापडन रहित वो नक्सा सहित है ।

टंकक

मो० मकसुद
29.9.2008

मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

Pranav Vijay Kando
29.09.08

651

642 10RS.



सर्व २१ वं जन्मन एवं छोटानालयः
 भारतकारी एक्टिनियम 1908 की धारा

क अधीन
 धार्यः भारतीय स्टाम्प अधिनियम
 ब्रिटिश स्टाम्प एक्ट) 1899 के धारा

या 1 के संख्या-5 (a) I-A-0 with the permission
 अधिन यथावत by L.R. De-Sindiga vide
 अधिन (अ) स्टाम्प गलक के नियम के
 स्टाम्प गलक धरोक्षित नहीं।

Memo. NO. 54/11
 dated
 10/7/9 06-7-09

msary
 10-7-09



Pramod Vijay Kinde
 10/07/09

१।१ लेख्यकारी:- श्री प्रमोद विजय किन्दो पिता स्व० रहमोन
 किन्दो, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम-गोतरा
 ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

..... बिदेता ।

शपथ-पत्र संख्या:-

सुटेडा वेसाय, थाना- स्व. भंगरावेसर।
 जाति- गोतरा ठाकुरटोली
 पोस्ट- जिला- थाना सिमडेगा
 10/07/09



-2-

§2§ लेख्यधारी:- श्री नकुल साय मांडवी पिता स्व० जोगेन्दर साय मांडवी, जाति- गोंड, पेशा- नौकरी एवं खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुर टोली, थाना- सिमडेगा, जिला-सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:-

§3§ लेख्यप्रकार:- सुधारपट्टा बावत निबंधित केवाला संख्या 1031/1011 दिनांक 03.10.2008 के ।

§4§ मूल्य:- मोबलिया दो लाख छप्पन हजार रुपये अर्थात् 2,56,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्मति:- एरा जियात अन्दर मौजा- गोतरा ठाकुर टोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वी जिला- सिमडेगा के खाता नं० 120 एक सौ बीस प्लॉट नं० 3436 चौंतीस सौ छतीस रकबा 0.14½ एकड़ साठे चौदह डितमिल आवासीय जमीन । /

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- आगोक केरकेट्टा का हाता इसी प्लॉट का अंश ।

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता,

पूरब :- अनस्तासिया केरकेट्टा का मकान हाता ।

पश्चिम:- मीलान शीट नं० 3 टांड ।

माल्जुजारी 5 पैसा षपाँच पैसा अलावे सेस सलाना ।

Premod Vijay Kando
10/07/09

हेमन्तर उस्ताद विसरा,
स्थान: ध. अंधेवर बाग विसरा
जिला-ध. सिमडेगा
थाना: 2 बिल्ल - सिमडेगा
60-70101



-3-

§1§ चूंकि एक किता जमीन का निबंधन, निबंधन संख्या 1031/1011 दिनांक 03. 10. 2008 के द्वारा हुआ है। जिसमें पूर्व में निर्गत शिह्यूल मेमो 1000, दिनांक 26. 8. 08 में प्लॉट नं० 3436 लिखा गया था और पट्टा में भी प्लॉट नं० 3436 प्लॉट नं० चौतीस सौ छतीस टाईप हो गया। प्लॉट नं० 3436 प्लॉट नं० चौतीस सौ छतीस गलत है। इसका सही प्लॉट नं० 3634 प्लॉट नं० छतीस सौ चौतीस है।

§2§ इसलिए मैं अपनी इच्छा के शरीर को मन की स्वस्थता में रहकर प्लॉट नं० 3436 प्लॉट नं० चौतीस सौ छतीस के स्थान पर प्लॉट नं० 3634 प्लॉट नं० छतीस सौ चौतीस सुधार कर रहा हूँ।

§3§ इसलिए यह सुधार पट्टा लिख दिया कि प्रमाण रहे तो वक्त जरूरत पर काम आवे।

§4§ चूंकि पूर्व के शिह्यूल में प्लॉट नं० 3436 गलत लिखा गया था अतः दिनांक 3. 7. 09 को सुधार शिह्यूल निर्गत किया गया जिसका मेमो नं० 541/11 दिनांक 06. 07. 2009 है।

Framed Vijay Kando
10/07/09



-4-

सही/- Pramod Vijay Kindo
10/07/09

लेख्यकारी

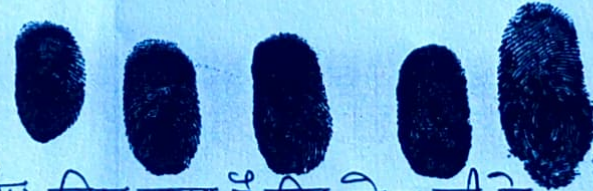


प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के
बायें हाथ का पांचों अंगुलियों का दाप
मेरे समक्ष लिखा गया। संजय कुमार मल्लो
अधिकारी

Pramod Vijay Kindo
10/07/09

सही/- Nand Lal Seemantini
10/07/09

लेख्यधारी



प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी के
बायें हाथ का पांचों अंगुलियों का दाप
मेरे समक्ष लिखा गया।

संजय कुमार मल्लो
अधिकारी
10.07.09





--5--

लेह्यकारी के कहे अनुसार इस सुधारपदटा दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महारा
अधिवक्ता
प्रारूपकर्ता 10.07.09
तारीख:-

प्रमाणित किया जाता है कि इस सुधारपदटा दस्तावेज के कुल पाँच पृष्ठों में कुल 394 शब्द टंकित हैं जो छान रहित वो नक्सा रहित है ।

टंकक
श्री० मकसुद
10-7-2009

मो० मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

Pranod Vijay
Kisho
10/07/09